FOREST RESEARCH CENTRE FOR ECO-REHABILITATION PRAYAGRAJ

पारि पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र प्रयागराज

जरा स्वास्थ्य संरक्षण में उपयोगी वनौषधियाँ: उत्पादन, मूल्यवर्धन एवं चिकित्सीय प्रयोग पर वैज्ञानिक संगोष्ठी

पारि पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र एवं विश्व आयुर्वेद मिशन के संयुक्त तत्वावधान में "जरा स्वास्थ्य संरक्षण में उपयोगी वनौषधियां-उत्पादन, मूल्यवर्धन एवं चिकित्सीय प्रयोग विषय पर एक वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन डाबर इण्डिया लिमिटेड के सौजन्य से माघ मेला में पारि पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र के परेड ग्राउंड माघमेला प्रयागराज स्थित शिविर में बुधवार दिनांक 05.02.2020 को अपराह्न 01:00 बजे किया गया। जिसमें आयुर्वेद चिकित्सा विशेषज्ञ एवं वन अनुसंधान केन्द्र के वैज्ञानिकों ने भाग लिया एवं वृद्धावस्था मे होने वाले सामान्य रोगों की चिकित्सा में उपयोगी वनौषधियों के उत्पादन, मूल्यवर्धन एवं चिकित्सीय प्रयोग पर विस्तृत अनुभव साझा किए।

उक्त संगोष्ठी का उद्घाटन प्रो. गिरीश चन्द्र त्रिपाठी, अध्यक्ष उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा परिषद एवं पुर्व कुलपति बी एच यू ने किया तथा विशिष्ट अतिथि के रूप मे दैनिक जागरण के महाप्रबंधक मनीष चतुर्वेदी एवं माँ शारदा हॉस्पिटल के निदेशक डा. राज किशोर अग्रवाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता वैज्ञानिक-एफ एवं केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने की।

3/1 Lajpatrai Road, New Katra, Prayagraj- 211002
Phone: 0532-2440795; 2440796 E mail: dir_csfer@icfre.org; sanjay.drsingh@gmail.com

उन्होने कहा की औषधीय पौधों पर शोधकर्ताओ, चिकित्सकों, उद्यमियों एवं उपभोक्ताओं के मध्य सतत संवाद इस क्षेत्र के विकास में सार्थक सिद्ध होगा।

संगोष्ठी के प्रारंभ मे संयोजक एवं विश्व आयुर्वेद मिशन के अन्तर्राष्ट्रिय अध्यक्ष प्रो. (डा.) जी एस तोमर ने विषय प्रवर्तन करते हुए वृद्धावस्था मे होने वाले सामान्य रोगों मे उपयोगी वनौषधियों के चिकित्सीय उपयोग पर विस्तृत प्रकाश डाला। डा तोमर ने कब्ज के लिये हरड़,

वहेडा, आंवला गठिया के लिये रेंडी, मदार, रास्ना, दमा के लिये शिरीष एवं अडुसा, मधुमेह के लिये तेजपत्ता, मेथी, गुड़मार सदाबहार एवं मधुरान्तक, उच्च रक्तचाप के लिए सर्पगंधा, शन्खपुष्पी एवं पुनर्नवा, हृदय रोग के लिये अर्जुन, एलर्जी के लिये शिरीष एवं हल्दी, मूत्र रोगों के लिये वरुण, सहिजन, पुनर्नवा वा गोखरू मनोवसाद के लिये कोंच बीज वा ब्राम्ही को उपयोगी बताया। डा. तोमर ने स्वस्थ रहने के लिये पुरुषों को अश्वगंधा तथा स्त्रियों को शतावरी का नियमित सेवन करने की सलाह दी। द्रव्य गुण विशेषज्ञ डा. के डी पांडेय ने क्षेत्र मे उपलब्ध जड़ी बूटियों के गुण धर्मों से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

इस अवसर पर डा. पी एस पांडेय, डा. आर के सिंह, डा एम डी दुबे, डा. सुधांशू उपाध्याय, डा. बी एस रघुवंशी ने भी अपने चिकित्सीय अनुभव साझा किये। केंद्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर कुमुद दुबे ने औषधीय पौधों की नूट्रास्यूटिकल एवं पौधों के डॉक्टराइन प्रकृति के बारे में लोगों को विस्तार पूर्वक जानकारी दी।

केंद्र की डा. अनीता तोमर ने क्षेत्र की मुख्य औषधीय प्रजातियाँ जैसे सतावर, कालमेघ, चित्रक, अश्वगंधा, सर्पगंधा आदि की खेती की विधियों पर प्रकाश डाला तथा डा. अनुभा श्रीवास्तव ने औषधीय पौधों के विपणन स्रोतों तथा नेशनल मेडिसिन प्लांट बोर्ड द्वारा आनलाइन बिक्री

3/1 Lajpatrai Road, New Katra, Prayagraj- 211002
Phone: 0532-2440795; 2440796 E mail: dir_csfer@icfre.org; sanjay.drsingh@gmail.com

केन्द्र ई-चरक के विषय में चर्चा किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ वैज्ञानिक-डा. कुमुद दूबे, आलोक यादव, तकनीक अधिकारी-डा. एस.डी. शुक्ला एवं रतन गुप्ता के साथ शोध छात्र हरिओम, अंकुर, राजकुमार, शिवम आदि भी मौजूद रहे।

बुजुर्गों के स्वास्थ्य के लिए उपयोगी हैं वनौषधियां

जागरण संवाददाता, प्रयागराज: विश्व आयुर्वेद मिशन एवं पारि पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में जरा (वृद्धावस्था) स्वास्थ्य संरक्षण में उपयोगी वन औषधियां उत्पादन, मूल्यवर्धन एवं चिकित्सीय प्रयोग विषय पर वैज्ञानिक संगोष्ठी बुधवार को परेड ग्राउंड में हुई। इसमें वृद्धावस्था में होने वाले सामान्य रोगों की चिकित्सा में उपयोगी वन औषधियों के उत्पादन, मूल्यवर्धन एवं चिकित्सीय प्रयोग पर विस्तृत अनुभव साझा किए गए।

डाबर इंडिया लिमिटेड के सौजन्य से परेड ग्राउंड स्थित पारि पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र के शिविर में हुई संगोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे केंद्र प्रमुख डा. संजय सिंह ने कहा कि औषधीय पौधों पर शोधकर्ताओं, चिकित्सकों, उद्यमियों एवं

संगोष्ठी को संबोधित करतीं डॉ. अनुभा श्रीवास्तव व मंचासीन डॉ. कुमुद दुबे, डॉ. जीएस तोमर डॉ. आरके अग्रवाल, प्रो. गिरीश चंद्र त्रिपाठी, डॉ. संजय सिंह (क्रमशः बाएं से) ● जागरण

उपभोक्ताओं के बीच सतत संवाद इस क्षेत्र के विकास में सार्थक सिद्ध होगा। संयोजक एवं विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष प्रो. जीएस तोमर ने विषय प्रवर्तन करते हुए वृद्धावस्था में होने वाले सामान्य रोगों में उपयोगी वन औषधियों के चिकित्सीय उपयोग पर विस्तृत प्रकाश डाला। डा शंकर मिश्रा, डा. आर के सिंह, डा. सुधांशु उपाध्याय, डा.बीएस रघुवंशी, डा. अनीता तोमर, डा. अनुभा श्रीवास्तव ने भी अनुभव साझा किए। इसके पूर्व संगोष्ठी का उद्घाटन मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष प्रो. गिरीश चंद्र त्रिपाठी ने किया। विशिष्ट अतिथि कैं. राज किशोर अग्रवाल थे। संगोष्ठी में वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. कुमुद दुबे, आलोक यादव, तकनीकी अधिकारी डा. एसडी शुक्ला, रतन गुप्ता, हरिओम, अंकुर आदि मौजूद रहे।

किस बीमारी के लिए कौन सी औषधि उपयोगी : कब्ज के लिए हरड़, बहेड़ा, आंवला गठिया के लिए रेंडी, मदार, दमा के लिए शिरीष एवं अडूसा, मधुमेह के लिए तेजपत्ता, मेथी, गुड़मार सदाबहार एवं मधुरांतक, उच्च रक्तचाप के लिए सर्पगंधा, शंखपुष्पी एवं पुनर्नवा, हृदय रोग के लिए अर्जुन, एलर्जी के लिए शिरीष एवं हल्दी, मूत्र रोगों के लिए वरुण, सहिजन, पुनर्नवा वा गोखरू मनोवसाद के लिए कोंच बीज वा ब्राम्ही को उपयोगी बताया गया।

3/1 Lajpatrai Road, New Katra, Prayagraj- 211002
Phone: 0532-2440795; 2440796 E mail: dir_csfer@icfre.org; sanjay.drsingh@gmail.com